रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयेाग का अध्ययन

पतांजलि मिश्रा*, अखिलेश श्रीवास्तव**

*जे0पी0 कालेज ऑफ एजुकेशन, रीवा, मध्य प्रदेश

**जे0पी0 कालेज ऑफ एजुकेशन, रीवा, मध्य प्रदेश

Contact : rewavipul@gmail.com

सारांश

शिक्षा मनुष्य द्वारा अपने आंतरिक और बाह्य परिवेश के साथ समायोजित होने की कला है। शिक्षा जीवन का वह आईना है, जिसमें मनुष्य अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को प्रतिबिम्ब के रूप में देखता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। समाचार पत्र–पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन और कम्प्यूटर आदि जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में यह शब्द अक्सर प्रयुक्त होता नजर आता है। समन्वित रूप से प्रयुक्त होने वाले इस सूचना प्रौद्योगिकी शब्द के पूर्वपद अर्थात् शब्द का स्थूल रूप से अर्थ है–जानना। समय के साथ–साथ जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का विकास हुआ, जिसका प्रभाव शिक्षा पर भी पड़ने लगा। शिक्षा को नवीन रूप दिया जाने लगा ताकि अधिक से अधिक उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

मुख्य शब्दावली : शासकीय विद्यालय, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा

प्रस्तावना

शिक्षा बालक को नए–नए अनुभव प्रदान कर उसे इस योग्य बनाती है कि वह अपने वातावरण में समायोजित होकर अपनी शक्तियों तथा निहित योग्यताओं का पूर्ण विकास कर योग्यतानुसार अपने परिवार, समाज तथा राष्ट्र को किसी विशिष्ट क्षेत्र में योगदान कर सके। अर्थात् शिक्षा से तात्पर्य बालक के व्यवहार में वांक्षित परिवर्तन लाना है शिक्षा से बालक की मूल प्रवृत्तियाँ परिमार्जित होती हैं। इन मूल प्रवृत्तियों के परिमार्जन में सूचना प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान अपना प्रभावपूर्ण योगदान शिक्षा के क्षेत्र में प्रदान करता है।

जनसंचार माध्यमों से संबंधित प्रौद्योगिकी की अभूतपूर्व प्रगति ने 'सूचना प्रौद्योगिकी' नामक एक पृथक क्षेत्र विकसित कर दिया है। माइक्रो–इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास एवं द्रुत प्रगति, पुरानी प्रौद्योगिकी को तेजी से पछाड़ती चल रही है। ऐसे में सूचना प्रौद्योगिकी में नयेपन का विशेष महत्व स्थापित हो जाता है। यही कारण है कि कई लोग 'सूचना प्रौद्योगिकी' शब्द को 'नई प्रौद्योगिकी' के पर्याय के रूप में प्रयुक्त करते हैं। उनका मानना है कि यह विभिन्न प्रकार की सूचना के सृजन, भंडारण, चयन, हस्तांतरण और वितरण के अनुप्रयोग पर लागू की जाने वाली नई प्रौद्योगिकी है। 'सूचना प्रौद्योगिकी' का संबंध केवल सूचना के सम्प्रेषण से नहीं है अपितु उसे सूत्रबद्ध करने, दर्ज करने और संसाधित करने से भी है। साथ ही इस परिभाषा से यह भी पता चलता है कि सूचना प्रौद्योगिकी का संबंध केवल मूल पाठ विषयक अथवा शाब्दिक प्रस्तुतीकरण से ही नहीं अपितु इसमें संख्या संबंधी, दृश्य और श्रव्य प्रस्तुतीकरण भी शामिल है।

शोध कार्य के उद्देश्य

रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में 'सूचना प्रौद्योगिकी' के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।

शोध परिकल्पना

रीवा जिले के अधिकांश शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में 'सूचना प्रौद्योगिकी' का उपयेाग नहीं किया जा रहा है। शोध विधि शोधार्थी ने अपने शोध विषय रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन विषय के अंतर्गत रीवा जिले के सभी नवों विकासखण्डों रीवा, रायपुर, कर्चुलियान, गंगेव, सिरमौर, मऊगंज, नईगढ़ी, हनुमना, त्योंथर, एवं जवा में से प्रत्येक से उच्चतर माध्यमिक शिक्षा स्तर के 5–5 विद्यालयों कुल 45 विद्यालयों को विस्तृत शोध सर्वेक्षण हेतु न्यादर्श में चयनित किया है। न्यादर्श में चयनित प्रत्येक विद्यालय के प्राचार्य कुल 45 प्राचार्यों, प्रत्येक विद्यालय से 2–2 शिक्षक कुल 90 शिक्षकों, प्रत्येक विद्यालय में अध्ययनरत् 5–5 छात्र–छात्राओं कुल 225 छात्र–छात्राओं, प्रत्येक विद्यालय में अध्ययनरत् 4–4 छात्र–छात्राओं के अभिभावकों कुल 180 अभिभावकों के अतिरिक्त शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से शिक्षा विभाग के 4–4 अधिकारियों, कुल 36 अधिकारियों को भी न्यादर्श में चयनित किया है। शोधार्थी ने सभी न्यादर्शों का चयन दैव निदर्शन विधि से किया है। रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के अध्ययन के लिए कुछ शोध उपकरणों जैसे प्राचार्य साक्षात्कार अनुसूची, अधिकारी साक्षात्कार अनुसूची, अभिभावक साक्षात्कार अनुसूची, शिक्षक प्रश्नावली पत्रक एवं छात्र प्रश्नावली पत्रक इत्यादि की सहायता ली है तथा शोध उपकरणों के द्वारा प्राप्त प्रदत्तें के संग्रहण, सारणीयन, विश्लेषण एवं व्याख्या द्वारा वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की।

तालिका नं01 में शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से न्यादर्श हेतु चयनित 5–5 विद्यालयों के प्राचार्यों, कुल मिलाकर 45 प्राचार्यों से शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से सम्बंधित जानकारियों का संकलन किया गया है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है, कि शोध क्षेत्र के 13.33 प्रतिशत प्राचार्य यह मानते हैं, कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, जबकि 73.34 प्रतिशत प्राचार्यों के अनुसार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में

तालिका नं0 1
शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन (प्राचार्य साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर)

क्र.	विकासखण्डों के नाम	न्यादर्श में चयनित विद्यालयों की संख्या	न्यादर्श में चयनित प्राचार्यों की संख्या	शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग					
				किया जा रहा है		नहीं किया जा रहा है		बहुत कम किया जा रहा है	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	श्रीवा	05	05	01	20.00	03	60.00	01	20.00
2.	रायपुर–कर्चुलियान	05	05	00	00.00	04	80.00	01	20.00
3.	गंगेव	05	05	00	00.00	05	100.00	00	00.00
4.	सिरमौर	05	05	01	20.00	04	80.00	00	00.00
5.	मऊगंज	05	05	01	20.00	03	60.00	01	20.00
6.	नईगढ़ी	05	05	01	20.00	04	80.00	00	00.00
7.	हनुमना	05	05	00	00.00	04	80.00	01	20.00
8.	त्योंथर	05	05	01	20.00	03	60.00	01	20.00
9.	ज्वा	05	05	01	20.00	03	60.00	01	20.00
	योग	45	45	06	13.33	33	73.34	06	13.33

सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही 13.33 प्रतिशत प्राचार्य ऐसे भी थे, जिन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत कम किया जा रहा है।

तालिका नं0 2
शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन (शिक्षक प्रश्नावली पत्रक के आधार पर)

क्र.	विकासखण्डों के नाम	न्यादर्श में चयनित विद्यालयों की संख्या	न्यादर्श में चयनित प्राचार्यों की संख्या	शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग					
				किया जा रहा है		नहीं किया जा रहा है		बहुत कम किया जा रहा है	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	श्रीवा	05	05	02	20.00	07	70.00	01	10.00
2.	रायपुर–कर्चुलियान	05	05	01	10.00	08	80.00	01	10.00
3.	गंगेव	05	05	01	10.00	07	70.00	02	20.00
4.	सिरमौर	05	05	02	20.00	08	80.00	00	00.00
5.	मऊगंज	05	05	01	10.00	07	70.00	02	20.00
6.	नईगढ़ी	05	05	00	00.00	09	90.00	01	10.00
7.	हनुमना	05	05	01	10.00	08	80.00	01	10.00

8.	त्योंथर	05	05	02	20.00	07	70.00	01	10.00
9.	ज्वा	05	05	01	10.00	08	80.00	01	10.00
	योग	45	45	11	12.00	69	76.67	10	11.11

तालिका नं0 2 में शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से न्यादर्श हेतु चयनित 10–10 शिक्षकों कुल मिलाकर 90 शिक्षकों से शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से सम्बंधित जानकारियों का संकलन किया गया है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है, कि शोध क्षेत्र के 12.22 प्रतिशत शिक्षक यह मानते हैं, कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है, जबकि 76.67 प्रतिशत शिक्षकों के अनुसार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही 11.11 प्रतिशत शिक्षकों का कहना है कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत कम किया जा रहा है।

तालिका नं0 3
शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन (छात्र प्रश्नावली पत्रक के आधार पर)

क्र	विकासखण्डों के नाम	न्यादर्श में चयनित विद्यालयों की संख्या	न्यादर्श में चयनित छात्रों की संख्या	शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग					
				किया जा रहा है		नहीं किया जा रहा है		बहुत कम किया जा रहा है	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	रीवा	05	25	02	08.00	21	84.00	02	08.00
2.	रायपुर–कर्चुलियान	05	25	01	04.00	22	88.00	02	08.00
3.	गंगेव	05	25	02	08.00	21	84.00	02	08.00
4.	सिरमौर	05	25	01	04.00	23	92.00	01	04.00
5.	मऊगंज	05	25	01	04.00	23	92.00	01	04.00
6.	नईगढ़ी	05	25	01	04.00	22	88.00	02	08.00
7.	हनुमना	05	25	02	08.00	22	88.00	01	04.00
8.	त्योंथर	05	25	01	04.00	23	92.00	01	04.00
9.	जवा	05	25	01	04.00	23	92.00	01	04.00
	योग	45	225	12	5.33	200	88.89	13	05.78

तालिका नं0 3 में शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से न्यादर्श हेतु चयनित 25–25 छात्र/छात्राओं कुल मिलाकर 225 छात्र/छात्राओं से शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से सम्बंधित जानकारियों का संकलन किया गया है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है, कि शोध क्षेत्र के 5.33 प्रतिशत छात्र/छात्रा यह मानते हैं, कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। जबकि 88.89 प्रतिशत छात्र/छात्राओं के अनुसार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही 5.78 प्रतिशत छात्र/छात्राओं का यह कहना था कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत कम किया जा रहा है।

तालिका नं0 4
शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन (अभिभावक साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर)

क्र.	विकासखण्डों के नाम	न्यादर्श में चयनित विद्यालयों की संख्या	न्यादर्श में चयनित अभिभावकों की संख्या	शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग					
				किया जा रहा है		नहीं किया जा रहा है		बहुत कम किया जा रहा है	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	श्रीवा	05	20	02	10.00	17	85.00	01	05.00
2.	रायपुर–कर्चुलियान	05	20	01	05.00	18	90.00	01	05.00
3.	गंगेव	05	20	02	10.00	17	85.00	01	05.00
4.	सिरमौर	05	20	01	05.00	18	90.00	01	05.00
5.	मऊगंज	05	20	02	10.00	17	85.00	01	05.00
6.	नईगढ़ी	05	20	01	05.00	18	90.00	01	05.00
7.	हनुमना	05	20	02	10.00	17	85.00	01	05.00
8.	त्योंथर	05	20	01	05.00	18	90.00	01	05.00
9.	ज्वा	05	20	02	10.00	17	85.00	01	05.00
	योग	45	180	14	07.78	157	87.22	09	5.00

तालिका नं0 4 में शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से न्यादर्श में चयनित 20–20 अभिभावकों कुल मिलाकर 180 अभिभावकों से शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से सम्बंधित जानकारियों का संकलन किया गया है। इस अध्ययन से यह पता चलता है, कि शोध क्षेत्र के 7.78 प्रतिशत अभिभावक यह मानते हैं, कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, जबकि 87.22 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही 5.00 प्रतिशत अभिभावक ऐसे भी थे जिनका कहना था कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत कम किया जा रहा है।

तालिका नं0 5
शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन (अधिकारी साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर)

क्र.	विकासखण्डों के नाम	न्यादर्श में चयनित अधिकारियों की संख्या	शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग					
			किया जा रहा है		नहीं किया जा रहा है		बहुत कम किया जा रहा है	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	श्रीवा	04	01	25.00	03	75.00	00	00.00
2.	रायपुर–कर्चुलियान	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00
3.	गंगेव	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00

4.	सिरमौर	04	00	00.00	03	75.00	01	25.00
5.	मऊगंज	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00
6.	नईगढ़ी	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00
7.	हनुमना	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00
8.	त्योंथर	04	00	00.00	03	70.00	01	25.00
9.	ज्वा	04	00	00.00	04	100.00	00	00.00
	योग	36	01	02.79	33	91.66	02	5.55

तालिका नं0 5 में शोध क्षेत्र के प्रत्येक विकासखण्ड से न्यादर्श में चयनित 4–4 अधिकारियों कुल मिलाकर 36 अधिकारियों से शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से सम्बंधित जानकारियों का संकलन किया गया है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है, कि शोध क्षेत्र के 2.79 प्रतिशत अधिकारियों का मानना है, कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, जबकि 91.66 प्रतिशत अधिकारियों के अनुसार शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही 5.55 प्रतिशत अधिकारी ऐसे भी थे जिन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग बहुत कम किया जा रहा है।

इस प्रकार उपरोक्त पॉचों तालिकाओं (तालिका नं0 1, 2, 3, 4 व 5) के विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि शोध क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

परिणाम

रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के अध्ययन हेतु प्राचार्य साक्षात्कार अनुसूची, अधिकारी साक्षात्कार अनुसूची, अभिभावक साक्षात्कार अनुसूची, शिक्षक प्रश्नावली पत्रक तथा छात्र प्रश्नावली पत्रक द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों से प्रत्येक से उच्चतर माध्यमिक शिक्षा स्तर के 5–5 विद्यालयों के कुल 45 प्राचार्यों, 90 शिक्षकों, 225 छात्र–छात्राओं, 180 अभिभावकों, तथा 36 अधिकारियों द्वारा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि रीवा जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

सुझाव

प्रस्तुत शोध के उपरान्त निम्न सुझाव अपेक्षित हैः

क. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा स्तर पर विद्यालयों को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा हेतु शासन द्वारा पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये जाएँ।

ख. उच्चतर माध्यमिक शिक्षा स्तर पर विद्यालयों में भौतिक संसाधनों को दुरूस्त किया जाये।

ग. शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाये।

घ. समय–समय पर सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा हेतु शिक्षकों को सेवाकालीन प्रशिक्षण दिए जाएँ।

ड़. छात्रों, शिक्षकों तथा अभिभावकों में शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग की सही अवधारणा स्पष्ट की जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- कुलश्रेष्ठ, एस.पी. (1999). शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- शर्मा, आर. ए. (2001) .शिक्षा तकनीकी. इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ।
- सेठी, डॉ. हरीश कुमार (2004). सूचना प्रौद्योगिकी विविध परिदृश्य. सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी अनुवाद, भारतीय अनुवाद परिषद।
- Goel, D.R. (2006-07). Qualitative research in education. M.S. university, Baroda.
- Kaul, Lokesh (2007). Methodology of educational research. vikash publishing house, Fourth Edition, New Delhi.